विकास भारती बिशुनपुर

Newsletter

Vol-03, No-06 June, 2025

झारखण्ड हाईइम्पैक्ट मेगावाटरशेड परियोजना (जीवी दाहासा)

झारखण्ड हाई इम्पैक्ट मेगा वाटरशेड परियोजना विकास भारती बिशुनपुर द्वारा भारत ग्रामीण आजीविका फॉउण्डेशन, नयी दिल्ली सहयोग से शुरू किया गया है। इसके द्वारा बिशुनपुर एवं डुमरी प्रखंड के गावों अंतर्गत 25,000 हेक्टेयर भूमि में फसल सघनता में सुधार करना साथ ही पंचायती राज संस्थाओं, समुदायों और नागरिक समाज संगठन के 100 अग्रिम पंक्ति के पदाधिकारियों की क्षमता और ज्ञान को संवर्धित करना भी प्रमुख लक्ष्य है। परियोजना अंतर्गत जून माह में विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर नदी पूजन कार्यक्रम का आयोजन बिशुनपुर प्रखंड के पांच पंचायत क्रमशः अमतिपानी, घागरा, बनारी, नरमा एवं निरासी के पांच गावों क्रमशः तुमसे, रेहालदाग, तिथि कुम्भीटोली, लंगराटांड़ एवं बोरॉंग में कोयल नदी, लूग पिचहां नाला, बीरटोला नाला, बेती नदी एवं सुदा नदी के तट पर दिनांक 05 जून, 2025 को किया गया, जिसमें गर्म प्रधान बैगा एवं पुजारियों द्वारा पारम्परिक तरीके से किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ो ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

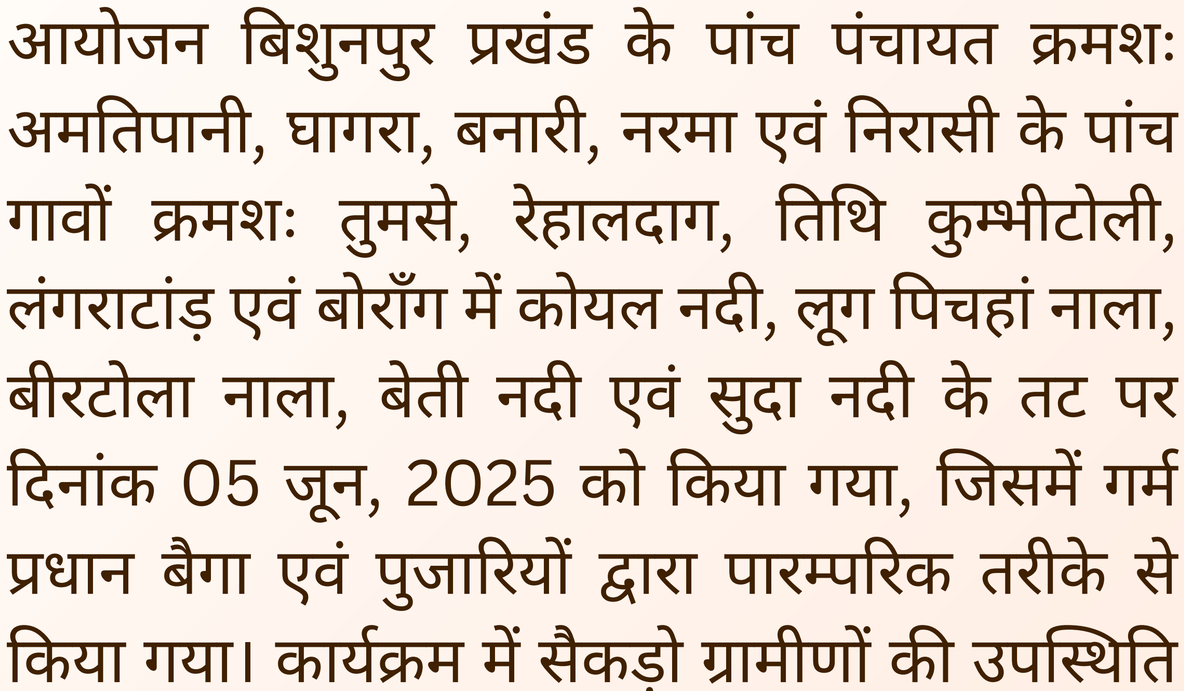

कृषि विज्ञान केंद्र, गुमला

विकास भारती बिशुनपुर द्वारा गुमला जिला अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (ICAR) के सह भागीदारी के साथ की गयी तथा ग्रामीण समुदाय एवं किसानों को नयी तकनीक के उपयोग से कृषि उत्पादकता को बढ़ाने एवं स्वावलम्बी बनाने का कार्य अथक रूप से कर रही है। परियोजना अंतर्गत जून माह में विश्व पर्यावरण दिवस विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम का आयोजन गुमला जिला के 12 प्रखंड क्रमशः बिशुनपुर, घागरा, गुमला, सिसई, भरनो, बसिआ, कामडारा, पालकोट, रायडीह, चैनपुर, डुमरी एवं जरि के 135 पंचायतों में किया गया। कार्यक्रम अंतर्गत श्री संजय पांडेय जी एवं कृषि विज्ञान केंद्र, गुमला के अन्य वरीय वैज्ञानिकों द्वारा उपस्थित ग्रामीणों को वन एवं पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ-साथ पर्यावरण के प्रति सभी को जागरूक भी किया गया । कार्यक्रमों में कुल 15,953 ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

वाड़ी परियोजना

विकास भारती बिशुनपुर द्वारा वाड़ी परियोजना का संचालन बिशुनपुर, कुचाई एवं दुमका क्लस्टर में किया जाना है जो की नाबार्ड द्वारा सम्पोषित है । जिसके अंतर्गत क्षेत्र के किसानों को चयनित कर उनके खेतों को गुणवक्ता युक्त बनाने का कार्य कर रही है। परियोजना का पहला चरण का कार्य बिशुनपुर एवं कुचाई क्लस्टर में चल रहा है। परियोजना अंतर्गत जून माह में बिशुनपुर क्लस्टर अंतर्गत चोरखाखार ग्राम पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा का आयोजन कोयल नदी के तट पर किया गया जिसमें 95 ग्रामीणों की उपस्थिति रही। साथ ही जून माह में कुचाई क्लस्टर अंतर्गत मरांगहतु, गोगामार्चा, कुचाई, जोवाजंगीर एवं रामायसाल ग्रामों में 70 स्थानों पर पौधारोपण निमित्त गड्ढा खोदा गया।

गैर विभागीय प्रशिक्षण केंद्र (NDTC), बिशुनपुर

विकास भारती बिशुनपुर ने 29 दिसंबर , 2022 को बिशुनपुर में KVIC के सहयोग से गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्र नामक एक अलग केंद्र की शुरुआत की जिसके अंतर्गत ग्रामीण स्थानीय लोगों विशेषकर युवाओं को बढ़ईगिरी, मधुमक्खी पालन, खाद्य प्रसंस्करण, वेल्डिंग, सिलाई आदि जैसे विभिन्न आयामों अंतर्गत स्थानीय स्तर पर कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे बाज़ार अनुरूप कौशल प्राप्त कर सकें। परियोजना अंतर्गत दिनांक- 30 जून, 2025 को उत्क्रमित मध्य विद्यालय अंकुरी, प्रखण्ड-बिशुनपुर, गुमला में हूल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर महान क्रांतिकारी सिदो एवं कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण किया गया साथ ही इनके पुरे परिवार द्वारा देश के प्रति त्याग एवं सर्वोच्च बलिदान को सभी के बीच साझा भी किया गया । इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बालेश्वर उरांव उपस्थित हुए साथ ही NDTC के प्राचार्य श्री पंकज कुमार सिंह, ग्रामीण जोसेफ लकड़ा एवं बुध्दिमान उरांव के साथ-साथ कुल 139 ग्रामीणों की भी उपस्थिति रही ।

स्किल इंडिया - कौशल रथ

स्किल इंडिया कौशल रथ परियोजना की शुरुआत सितम्बर, 2024 से विकास भारती बिशुनपुर द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से किया गया। इसका उद्देश्य रांची जिला अंतर्गत विद्यालय एवं महाविद्यालयों में जाकर वहां के छात्रों को गुणवत्ता आधारित उनके कौशल को बढ़ाना है। परियोजना अंतर्गत जून माह में कुल 460 विद्यार्थी जो की रांची जिले के विभिन्न विद्यालय एवं महाविद्यालयों से हैं को प्रशिक्षित किया गया है।

जनजाति कौशल विकास परियोजना 1.0

विकास भारती बिशुनपुर द्वारा जनजाति कौशल विकास परियोजना 1.0 जो कि राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के द्वारा सम्पोषित है को झारखण्ड राज्य के चार जिले क्रमशः रांची, गुमला, सरायकेला एवं दुमका में बेड़ो, बिशुनपुर, कुचाई एवं दुमका क्लस्टर में जनजातीय समुदाय को कृषि, बहु कौशल विकास एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण देकर उन्हें व्यावसायिक रूप से दक्ष बनाने का कार्य कर रही है। परियोजना की शुरुआत 02 मई, 2024 को हुई एवं इसकी अवधी एक वर्ष की है जिसके अंतर्गत कुल 1080 जनजातीय लोगों को 25 अलग-अलग बैच बनाकर उन्हें प्रशिक्षित किया जाना है, जिसमें से सभी 25 बचों का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। परियोजना अंतर्गत बेड़ो क्लस्टर में दिनांक- 09 जून, 2025 को प्रशिक्षण प्राप्त सभी 270 प्रशिक्षणार्थियों जो की बागवानी - सब्जी उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्यमिता विकास के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं को पंचायत भवन, जरिया पंचायत, प्रखण्ड- बेड़ो में श्रीमान सुदर्शन भगत जी, पूर्व सांसद सह केंद्रीय राज्य-मंत्री एवं बेड़ो संकुल संयोजक के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति में वितरित किया गया।

माननीय राज्यपाल महोदय काविकास भारती बिशुनपुर में आगमन

दिनांक -22 जून, 2025 को श्रीमान संतोष गंगवार जी, माननीय राज्यपाल, झारखण्ड का विकास भारती बिशुनपुर के बिशुनपुर स्थित मुख्यालय में बाल संवाद एवं पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में आगमन हुआ। इस अवसर पर विकास भारती के विंभिन्न आश्रमों से आये बच्चों के बीच श्रीमान राज्यपाल महोदय ने बाल शिक्षा एवं उनके भविष्य पर अपने विचार साझा किये साथ ही उन्होंने सभी बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के पति अपनी शुभकानाएं भी दिए एवं इस अवसर पर इनके द्वारा एक आम का पौधा भी परिसर में लगाया गया।

Head Office,
Vikas Bharti Bishunpur

Block : Bishunpur, Dist.- Gumla
-835331

Administrative Office :Vikas Bharti Bishunpur

19 Gramayatan, Arogya Bhawan-1,Bariatu Road, Ranchi-834009

Vikasbharti1983@gmail.com

www.vikasbharti.in